Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding adulterated milk and diseases caused by its consumption.

श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा (भरूच) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे देश में बड़े पैमाने पर नकली एवं मिलावटी दूध बिक्री जैसे अति लोक महत्व के मुद्दे को उठाने के लिए इजाज़त प्रदान की, उसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं । ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, दूध एक ऐसी दैनिक उपयोग की वस्तु है, जिसका हम सभी के स्वास्थ्य से सीधा संबंध है । ...(व्यवधान) हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार देश में सेहत क्रांति लाने के लिए गोकुल मिशन के अंतर्गत देशवासियों को शुद्ध दूध उपलब्ध करा रही है । ...(व्यवधान) सरकार बड़े पैमाने पर डेयरी उद्योग को भी बढ़ावा दे रही है, लेकिन नकली, मिलवटी दूध के कारोबार को रोकना भी इतना ही ज़रूरी है । थोड़े दिन पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन संस्था द्वारा सरकार को भेजी गई एक एडवाइजरी में कहा गया कि यदि भारत में मिलावटी दूध और उसकी उत्पादकता को तत्काल नहीं रोका गया तो साल 2025 तक भारत की 87 फीसदी जनसंख्या कैंसर जैसे जानलेवा रोगों की गिरफ्त में आ जाएगी । मिलावटी दूध यूरिया और खतरनाक रसायनों से बनता है ।...(व्यवधान) देश के बड़े-बड़े शहर और डेयरी उद्योग क्षेत्र से जुड़े लोग इस कारोबार में शामिल हैं । मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि ऐसे बदमाशों के लिए सरकार कड़े से कड़े कानून का प्रावधान करे और फूड सेफ्टी एक्ट को सख्ती से लागू करने का आदेश जारी करे । धन्यवाद । ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री नारणभाई काछड़िया और डॉ. किरिट पी. सोलंकी को श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।